संशोधित पाठ्यक्रम – बी.ए. द्वितीय वर्ष के अंतर्गत
विशय – नृत्य (भरत नाट्यम)

बी.ए. भाग (2) के लिये इस विषय में प्रायोगिक और सैद्धांतिक दो भाग होगें। प्रायोगिक 50 अंक एवं सैद्धांतिक 100 अंक का होगा। इस हेतु 50–50 अंक के दो प्रश्नपत्र होंगे। प्रत्येक वर्ष के पूर्णांक कुल मिलाकर 150 अंक के होगें।

क्र	विवरण		पूर्णांक	उत्तीर्णांक
1	सैद्धांतिक प्रथम प्रश्न पत्र	–	50	17
2	सैद्धांतिक द्वितीय प्रश्न पत्र	–	50	17
3	प्रायोगिक	–	50	17
		योग	**150**	**51**

सैद्धांतिक (विस्तृत पाठ्यक्रम)
प्रथम प्र□न पत्र
शीर्षक – नृत्य का इतिहास एवं सामान्य जानकारी
(पेपर कोड – 0220)

1. नृत्य का इतिहास (पाणिनी काल से गुप्त काल तक नृत्य का इतिहास) – 1. जैन एवं बौद्ध अभ्युद्य काल 2. पूर्व मध्यकाल 3. शुंग एवं कनिष्क काल 4. गुप्तकाल

2. अभिनयभेद – आंगिक, वाचिक, आहार्य एवं सात्विक

3. विभिन्न शास्त्रीय नृत्य प्रणालियाँ (संक्षिप्त परिचय) – 1. भरत नाट्यम 2. कथक 3. कथकलि 4. ओडिसी

4. संगीत की व्याख्या और नृत्य का उसमें स्थान

5. लोकधर्मी नाट्य परंपरा संक्षिप्त जानकारी – **लोकनाट्य**
1. जात्रा 2. तमाशा
3. कीर्त निया 4. डांडिया रास
लोक नृत्य – गरबा, सरहुल

सैद्धांतिक (विस्तृत पाठ्यक्रम)
द्वितीय प्र□न पत्र
शीर्षक – शास्त्रीय नृत्य सिद्धान्त
(पेपर कोड – 0221)

1. **दक्षिण भारतीय ताल पद्धति**
2. **संक्षिप्त टिप्पणियाँ** – 1. मंगलाचरण 2. पुष्पांजलि 3. नाट्य 4. नृत्त 5. नृत्य
3. **नृत्य कलाकार के आवश्यक गुण एवं दोष**
4. **भरतनाट्यम पद्धति के क्रमों (मार्गम का संक्षिप्त विवरण)**
   1. अलारिपु 2. जतिस्वरम् 3. शब्दम् 4. अष्टपदी 5. पदम्
5. **वरिष्ठ नृत्य कलाकार की संक्षिप्त जीवनी**
   1. श्रीमती गौरी अम्मा 2. श्री मीनाक्षी सुंदरम् पिल्लई

<u>प्रायोगिक</u>

1. **मौखिक मुद्रा प्रद□र्न** –
   (1) असंयुक्त हस्त की प्रथम पंद्रह मुद्राओं (पताक से पद्मकोष तक) का विनियोग (श्लोक सहित)
   (2) देव हस्त, (3) बंधु – बांधव हस्त

2. **कार्यक्रम विभाग**
   (1) शारीरिक अभ्यास
   (2) दस अड़तु (अंगसंचालन चार काल में)
   (3) जतिस्तरम्
   (4) शब्दम् या श्लोकम्